अभ्यास पत्रक

पाठ: 6 - गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) बिना सोचे-विचारे काम करने का सबसे पहला परिणाम क्या होता है?

(क) काम बन जाता है (ख) बाद में पछताना पड़ता है

(ग) जग में सम्मान होता है (घ) मन में चैन मिलता है

(ii) जब व्यक्ति अपना काम बिगाड़ लेता तो संसार (जग) में क्या होता है?

(क) लोग उसकी मदद करते हैं (ख) उसकी हँसी उड़ाई जाती है

(ग) उसे पुरस्कार मिलता है (घ) सब शांत रहते हैं

(iii) मन में शांति (चैन) न मिलने पर व्यक्ति को क्या अच्छा नहीं लगता?

(क) सोना और घूमना (ख) पढ़ना और लिखना

(ग) खान-पान, सम्मान, राग-रंग (घ) केवल काम करना

(iv) "खटकत है जिय माहिं" पंक्ति का क्या अर्थ है?

(क) मन में खुशी होती है (ख) मन में चुभता या अखरता रहता

(ग) मन में गीत बजते हैं (घ) मन भटकता रहता है

(v) यह कुंडलियाँ किस कवि की रचना हैं?

(क) कबीरदास (ख) रहीम (ग) गिरिधर कविराय (घ) तुलसीदास

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) व्यक्ति अपना काम कैसे बिगाड़ लेता है?

उत्तर- .....

(ii) मन में चैन न मिलने का क्या कारण बताया गया है?

उत्तर- .....

(iii) कवि के अनुसार कैसा दुःख टाले नहीं टलता?

egyanarchive

उत्तर- .....

(iv) "सो पाछे पछिताय" का क्या अर्थ है?

उत्तर- .....

(v) व्यक्ति के मन में हर समय क्या बात चुभती रहती है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "जग में होत हँसाय" से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- .....

.....

(ii) बिना विचारे काम करने वाले व्यक्ति की मानसिक स्थिति कैसी हो जाती है?

उत्तर- .....

.....

(iii) पहली कुंडली का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) पहली कुंडली के आधार पर, बिना सोचे-विचारे काम करने के क्या-क्या दुष्परिणाम होते हैं? विस्तार से वर्णन करें।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) बाद में पछताना पड़ता है

(ii) (ख) उसकी हँसी उड़ाई जाती

(iii) (ग) खान-पान, सम्मान, राग-रंग

(iv) (ख) मन में चुभता या अखरता रहता

(v) (ग) गिरिधर कविराय

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) व्यक्ति बिना सोचे-विचारे काम करके अपना काम बिगाड़ लेता है।

(ii) मन में चैन न मिलने का कारण बिना विचारे किया गया असफल कार्य है।

(iii) कवि के अनुसार बिना विचारे काम करने से उत्पन्न दुःख टाले नहीं टलता।

(iv) "सो पाछे पछिताय" का अर्थ है, वह बाद में पछताता है।

(v) व्यक्ति के मन में हर समय बिना सोचे-विचारे किया गया काम चुभता रहता है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) "जग में होत हँसाय" से कवि का तात्पर्य है कि जब कोई व्यक्ति बिना सोचे-समझे काम करके असफल हो जाता है, तो दुनिया में लोग उसका मजाक उड़ाते हैं और उस पर हँसते हैं।

(ii) बिना विचारे काम करने वाले व्यक्ति की मानसिक स्थिति बहुत खराब हो जाती है। उसके मन की शांति भंग हो जाती है और उसे खाना-पीना, मान-सम्मान या मनोरंजन जैसी कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती।

(iii) पहली कुंडली का मुख्य संदेश यह है कि हमें कोई भी कार्य करने से पहले भली-भाँति सोच-विचार कर लेना चाहिए, अन्यथा उसके बुरे परिणाम हमें लंबे समय तक कष्ट देते हैं।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) पहली कुंडली के अनुसार, बिना सोचे-विचारे काम करने के अनेक दुष्परिणाम होते हैं, जो इस प्रकार हैं:

- **कार्य का बिगड़ना:** सबसे पहला नुकसान यह होता है कि व्यक्ति अपना ही काम खराब कर लेता है।
- **सामाजिक उपहास:** जब काम बिगड़ जाता है, तो समाज में या दुनिया में उसकी हँसी उड़ती है और लोग उसका मजाक बनाते हैं।
- **मानसिक अशांति:** व्यक्ति के मन का चैन खो जाता है। उसे किसी भी परिस्थिति में शांति नहीं मिलती।
- **सुखों से विरक्ति:** उसकी रुचि खान-पान, मान-सम्मान और नाच-गाने जैसे मनोरंजन के साधनों से भी खत्म हो जाती है। उसे जीवन के सुख अच्छे नहीं लगते।
- **स्थायी पछतावा:** बिना सोचे-समझे किए गए काम की गलती मन में हमेशा काँटे की तरह चुभती रहती है और यह दुःख किसी भी प्रयास से दूर नहीं होता।